Rashtriya Shoshit Parishad (Regd.) No.: S/13390

(Recognised by the Govt. of India & exempted U/S 80G of the Income Tax Act. 1961)

राष्ट्रीय शोषित परिषद् (रजि०)

(A Council for the Welfare of SC/ST)

President :
JAI BHAGWAN JATAV
Tel. : 26192066
Mob. : 9810634677, W : 9810634655

B-2 Extn./2,
St. No. 7, Krishna Nagar,
Safdarjung Enclave,
New Delhi-110029

Ref. .....No. RSP/2018/MoH&UA/ 5811

Dated 23rd Feb. 2018.....

सेवा में,

श्री हरदीप सिंह पुरी जी
आदरणीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री
(राज्य मंत्री) स्वतंत्र प्रभार,
भारत सरकार, निमार्ण भवन,
नई दिल्ली - 110 00

8/03/18
RECEIVER
Min. of Urban Development
Nirman Bhawan
New Delhi-110011

विषयः **देश की राजधानी दिल्ली को स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतुः**

ज्ञापन

माननीय पुरी जी

भारत सरकार ने सैंकड़ों शहरों को स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत सुन्दर व स्वच्छ बनाने हेतु योजना शुरू की है। योजना सराहनीय है परन्तु जिन शहरों को सुन्दर व स्वच्छ बनाने का निश्चय किया है उन शहरों में बुनियादी सुविधाएं तक नहीं हैं। दिल्ली को भी वर्ल्ड क्लास स्मार्ट सिटी बनाने का जो निश्चय किया है वह केवल एनडीएमसी का ही एरिया चुना गया है जो पहले से ही कुछ ठीक ठाक है। आदरणीय मंत्री जी आपने विदेशों का काफी भ्रमण किया है और वहाँ के शहरों में अन्य सभी सड़कों, नालियों, बिजली, पानी व स्वच्छता को भलि-भांति देखा है आप उन शहरों का मुकाबला करने की योजना बना रहे हैं, यह सराहनीय कदम तो है परन्तु भारत विकास के मामले में विकसित देशों के सामने दो सौ साल पीछे चल रहा है। भ्रष्ट्राचार के अलावा मुख्य रूप से यहाँ के लोगों की मानसिकता, अन्धविश्वास, पाखण्डवाद, रूढ़िता से बड़े अन्य अनेकों कारण भी है और यह मानसिकता दो सौ सालों में भी नहीं बदली जा सकती। बिना मानसिकता का विकास हुए धरातल पर विकास होना असंम्भव है। फिर भी यदि भारत सरकार ने कुछ कदम उठाने की सोची है तो हम इस पहल का स्वागत ही करेंगे।

आप नई दिल्ली के उस क्षेत्र में रहते हैं जिसमें पहले से ही कुछ-कुछ ठीक-ठाक है। यदि आप पूरी दिल्ली को खुली ऑखों से देखेंगे तो आपको पता चल जायेगा कि दिल्ली अपने आप में नरक से कम नहीं है। हमें भी कई विकसित देशों में जाने का अवसर मिला है और वहाँ के लगभग सभी इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं स्वच्छता को देखा है। संक्षेप में यदि आप दिल्ली को 5 प्रतिशत भी सुधार लें तो आपका कार्यकाल भी कुछ हद तक

Regd. Office: 167, Palika Bazar, Connaught Place, New Delhi-110 001, Tel: 23323129, 23716831
E-mail: indiarsp@gmail.com, Website: www.scstparishad.org

अच्छा एवं उल्लेखनीय कहलायेगा। मैं आपसे आग्रह करूंगा कि आप निम्नलिखित केवल तीनों मुद्दों को ही प्राथमिकता पर लेकर कार्य करें तो कुछ न कुछ सुधार अवश्य ही दिखाई देगा।

1. **बिजली के तारों को अण्डरग्राउंण्ड करना :** दिल्ली में बिजली की व्यवस्था बहुत ही खतरनाक स्थिति में है। गली मौहल्ले से लेकर, सड़कों तक, बिजली के खम्भों पर बिजली के तारों का खुले आसमान में जाल फैला हुआ है। आप इन फैले हुए सभी प्रकार के तारों को अंडरग्राउण्ड करा दीजिये और यदि आपने बिजली सप्लाई करने वाले तमाम खम्भों को हटवाकर उनपर बिछे तारों को अंडरग्राउण्ड करा दिया तो मानविक दुर्घटनाएं भी कम होंगी। दिल्ली सुन्दर भी लगेगी और गली मौहल्लों में जो बिजली के तारों का भयानक रूप देखने को मिलता है उससे भी छुटकारा मिल जायेगा।

2. **पानी की नालियों को गोल पाइप में डालकर अण्डरग्राउण्ड करना :**

(a) वैध–अवैध कई हजार कालोनियॉ ऐसी हैं जिनमें सीवेज की व्यवस्था भी प्रोपर नहीं है इसके अलावा हर गली मौहल्ले में घरों के सामने खुली नालियॉ बनायी हुई हैं जिनमें पानी बहने के साथ–साथ कूड़ा–कचरा पड़ा हुआ सड़ता ही नहीं रहता है बल्कि अशिक्षित एवं गलत मानसिकता वाले लोग व औरतें अपने बच्चों को घर पर शौचालय का इस्तेमाल न करा करके इन नालियों के ऊपर बैठा कर शौच इत्यादि कराते हैं। जिसकी वजह से कीडे, मच्छर, मक्खियॉ पैदा होते है और अनेक बिमारियों को जन्म देते हैं तथा पर्यावरण भी बहुत दूषित होता है। यदि आप इन खुली नालियों की जगह अन्डरग्रांऊड सीमेंट के बने पाइप की लाइन बिछवा दें और बरसात के पानी की निकासी भी उन्हीं पाइपों के द्वारा उचित तरीके से करवा दें तो दिल्ली में फैलने वाले बीमारियों एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने में कुछ न कुछ मदद अवश्य मिलेगी।

(b) दिल्ली में अनेको गन्दे नाले खुले बहते हैं उनमें इतनी गंदगी व बदबू होती है कि दूर से ही भयंकर बदबू से ही पता चल जाता है कि आस पास कोई गंदा नाला बह रहा है और यह गंदगी व बदबू भरा पानी यमुना नदी में डाला जाता है जिसको बाद में साफ करके लोगों को पीने के लिए मुहैय्या कराया जाता हैं। यह बहुत ही दुखद है। आप से आग्रह है कि इन गंदगी व बदबू भरे नालों की चौड़ाई का ध्यान रखते हुए ढ़का जाये और यमुना नदी में डालने से पहले पानी को ट्रीटमेंट प्लॉट लगाकर अच्छी तरह ट्रीक कर स्वच्छ बना कर ही यमुना नदी में डाला जाये, जिससे कि लोगों को पीने के लिए थोड़ा बहुत स्वच्छ पानी तो मिल सके।

3. **राजधानी दिल्ली में जनसुविधाओं/शौचालयों एवं कुड़ेदानों का जाल बिछे :**

(a) दिल्ली में जितने भी शौचालय बनाये गये हैं उनमें अधिकतर में गन्दगी व बदबू के अलावा कुछ भी नहीं है। हम आपके स्वच्छता अभियान का सौ में से पॉच नम्बर तभी दे पायेंगे जबकि सभी शौचालयों को नया रूप देकर उनकी गंदगी व बदबू को समाप्त कर दें। आज किसी भी शौचालय में चले जायें तो आप अधिकतर संख्या में देखेंगे कि शौचालयों का इस्तेमाल करना महिलाओं के लिए तो बिल्कुल ही सुरक्षित नहीं है जबकि पुरूष वर्ग भी वाथरूम में घुसकर

परेशान ही नहीं हो जाता बल्कि कुछ समय के लिए सांस लेना भी दुर्भर हो जाता है।

(b) अधिक से अधिक बल्कि लाखों की संख्या में नए शौचालय / जनसुविधा केन्द्र बनाना अनिवार्य है। जिनमें से दिल्ली में ही कम से कम एक लाख शौचालय 2018 में बनने ही चाहिये तथा कम से 20 लाख डस्टबिन पूरी दिल्ली में लगाना बहुत ही जरूरी है, जिससे कि धीरे-धीरे लोगों की मानसिकता बदलेगी और आपके स्वच्छता अभियान को भी कुछ गति भी अवश्य मिलेगी। केवल बाते करने से स्वच्छता अभियान को सफल नहीं किया जा सकता है। अखबारों में विज्ञापन देने, सड़को पर बोर्ड लगाने या अन्य तरीके से प्रचार-प्रसार करना जरूरी तो है परन्तु यदि शौचालय/जनसुविधा केन्द्र एवं कूड़ेदान/डस्टबिन उचित मात्रा में ही नहीं लगेगें तो स्वच्छ भारत अभियान सफल नहीं कहा जा सकता। अभी तक जो भी प्रयास हुए हैं वे प्रयास बहुत ही नॉकाफी है केवल अखबारों या अन्य तरीको से धन की बरवादी ही की जा रही है। जनता की नज़र में यह अभियान लगभग असफल ही साबित हो रहा है और आम नागरिक इस अभियान को सौ में से पॉच नम्बर भी देने के लिए तैयार नहीं है इसीलिए अपने मिंया-अपने मिट्ठू बनने से कोई लाभ नहीं है। पर्यावरण एवं स्वच्छता अभियान घुटनों के बल चल रहा है। सरकार युद्ध स्तर पर इन अभियानों को वास्तविक रूप में धरातल पर उतारे और जिम्मेदारी (Responsibility) सुनिश्चित करे क्योंकि धरातल पर अभी तक कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है।

माननीय मंत्री जी सुझाव तो सैकड़ों और भी हैं परन्तु यदि आप अपने मंत्रीत्वकाल में इन उपरोक्त मुद्दों पर कुछ तत्परता दिखायी तो दिल्ली वर्ल्ड क्लास स्मार्ट सिटी तो कभी नहीं बन सकता परन्तु कुछ-कुछ सुधार होने से रहने लायक जरूर बन सकता है। आप जानते हैं कि विकसित देशों के सामने हमारा भारतवर्ष देश कम से कम दो सौ साल पीछे चल रहा है और रहने के हिसाब से यह देश नरक के समान ही कहा जा सकता है। गत 70 वर्षों में देश को गद्दारों ने लूटा ही है। देश प्रेम या देश के विकास के स्थान पर अपना ही विकास किया है। उम्मीद है कि आपके कार्यकाल में कुछ ठोस एवं उचित कदम अवश्य ही उठाये जायेंगे।

धन्यवाद सहित,

आपका

(जय भगवान जाटव)
अध्यक्ष